कला सृजन में AI की भूमिका

Dr. Chanan Mal, Research Scholar, Assistant Professor, Government College, Nadbai Bharatpur, Hanumangarh (Raj.)
chanan.suraj@gmail.com

शोध सारांश

कला सृजन की प्रक्रिया प्रागैतिहासिक कला से ही निरंतर प्रगतिशील है। सिंधुघाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक काल तक इसके माध्यमों, उद्देश्यों, रचना प्रक्रियाओं तथा तकनीकों में विभिन्न प्रकार से परिवर्तन दृष्टिगोचर होता है। उत्तर आधुनिक काल में कला का स्वरूप पूर्णतः बदल गया है। आज कलाकारों ने नवीन माध्यमों की खोज कर ली है। आज कला सृजन में AI की भूमिका बड़ती जा रही है। AI ने कला मानव सृजित होती है, की धारणा को पूरी तरह से बदल दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीकी क्षमताओं ने कला निर्माण और प्रदर्शन के तरीकों को प्रभावित किया है। AI के माध्यम से कलाकार अपने कलात्मक अभिव्यक्ति को और अधिक रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित करने का प्रयास करते हैं। इन्होंने डिजिटल आर्ट, वर्चुअल आर्ट और संवर्धित कला (AR) जैसे नए आयामों की स्थापना की है। इन्होंने कलाकारों के कौशल को प्रभावित किया है। हालांकि इनके प्रयोग के बाद मानवीय भावनाओं की अभिव्यक्ति और कला सृजन में मानव की भूमिका जैसे नए प्रश्न भी खड़े हो गए हैं। AI केवल एक मशीनी तकनीक है जो भानव की आंतरिक जटिलताओं और सृजन की क्षमताओं की बराबरी नहीं कर सकती है।